

V. वित्तीय बाजार

वैश्विक आर्थिक मंदी की गहनता और अवधि के बारे में अनिश्चितता वित्तीय बाजार को प्रभावित करती रही, यद्यपि बाजार को स्थिर करने के उद्देश्य से किए गए नीतिगत उपायों ने इस अवधि के दौरान अपना प्रभाव डाला। 2009 की दूसरी तिमाही तक, अंतरराष्ट्रीय बाजार ने व्यापक सरकारी नीतिगत कार्रवाई पर किंचित स्थिरता प्राप्त कर ली थी, लेकिन वित्तीय बाजार के कुछ घटक अभी भी दुर्बल प्रतीत हो रहे थे। भारतीय बाजार वित्तीय संकट की चरम स्थिति के दौरान सामान्य रूप से स्थिर बना रहा और नवंबर 2008 तक रिजर्व बैंक ने समुचित नीतिगत रेसपांस के द्वारा अत्यधिक स्थिरता को रोका। जोखिम और अस्थिरता के कम होने के कारण, 2009-10 की पहली तिमाही में बाजार में और सुधार आया क्योंकि स्प्रेड काफी अधिक कम हो गए और बाजार गतिविधियों में तेजी आई। पर्याप्त चलनिधि और कम नीति दरों को दर्शाते हुए, मांग दर एलएएफ रिवर्स रिपो दर के आस-पास बनी रही। वाणिज्यिक पत्र बाजार में, ब्याज दरें कम हुईं। वैश्विक गतिविधियों और घरेलू राजनैतिक स्थिरता से संकेत लेते हुए, ईक्विटी बाजार ने उस बाजार संपत्ति के एक बड़े भाग को पुनः प्राप्त कर लिया जिसकी लीमन घटना के कारण हानि हुई थी। 2009-10 की पहली तिमाही में पूंजी प्रवाह के पुनरागमन ने रुपए के मूल्य में गिरावट के रुझान को उलट दिया। आय वक्र अल्पावधि में एकदम बढ़ा जो अत्यधिक चलनिधि को दर्शाता है जबकि मध्यम से दीर्घकालिक आय मुख्य रूप से बड़े-बड़े सरकारी उधारों की चिंताओं के कारण बढ़ी।

V.1 वैश्विक वित्तीय बाजार, जो बाजार 2009 की पहली तिमाही तक दबाव के अंतर्गत बने रहे, में दूसरी तिमाही में अस्थिरता दिखी और स्प्रेड में कमी आई जो कुछ बाजार घटकों की गतिविधियों में पुनः सक्रियता के

कारण थी। ये आंकड़े नए समिष्ट आर्थिक आंकड़ों के प्रवाह, जो वास्तविक क्षेत्र की गतिविधियों में मंदी की गति में कमी, वित्तीय क्षेत्र के लिए बचाव योजनाओं में बेहतर स्पष्टता और कुछ बड़े बैंकों की हानियों को दर्शाते हैं, ने जोखिम लेने की इच्छा को बढ़ाया और इस प्रकार उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में स्टॉक के मूल्यों में उल्लेखनीय तेजी आई। कुछ उभरती अर्थव्यवस्थाओं में मंदी से निकलने की प्रत्याशा और वैश्विक रुझानों के कारण देश भर के ईक्विटी बाजारों में तेजी से वापसी आई। मुद्रा बाजार में आसान चलनिधि दशाओं तथा कुछ उन्नत अर्थव्यवस्थाओं की नीति दरों में और कमी के कारण मुद्रा बाजार दरों में निरंतर कमी आई और बहुत कम स्प्रेड वाले विभिन्न बाजार घटकों में सामान्य स्थिति बरकरार रही। इसके बावजूद, आइएमएफ की वैश्विक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट के अपडेट (जुलाई 2009) के अनुसार, उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में ऋण वृद्धि में धीमेपन, कमजोर प्रतिभूतिकरण बाजार, कम गुणवत्तावाले उधारकर्ताओं के लिए ऋण तंगी और बढ़ते राजकोषीय भार के कारण कुछ दुर्बलताएं आईं। उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में निवेशकों की जोखिम लेने की इच्छा में सुधार बांडों के स्प्रेड के काफी अधिक कम होने में परिलक्षित हुआ। प्रणाली में पर्याप्त चलनिधि के कारण यद्यपि सरकारी बांड आय कम हुई, सुरक्षित निवेश की चिंताओं में कमी तथा बढ़ते घाटों और सार्वजनिक ऋण की चिंताओं ने दीर्घकालिक बांड आय को बढ़ाया।

V.2 भारतीय बाजार, जो वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान सामान्य रूप से कार्य करते रहे, में 2009-10 की पहली तिमाही में अस्थिरता में काफी कमी और जोखिम अरुचि दिखी। लगातार नीति नरमी ने एक दिवसीय मुद्रा बाजार दरों को चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) दायरे की उच्च सीमा से नीचे लाना सुनिश्चित किया। विभिन्न मुद्रा बाजार घटकों के स्प्रेड काफी अधिक संकीर्ण हो गए और बाजार गतिविधि में सामान्य सुधार हुआ।

पूंजी प्रवाह के आगमन ने भी विदेशी मुद्रा चलनिधि को बढ़ाया और जिससे देशी मुद्रा के मूल्य में वृद्धि हुई। ईक्विटी बाजार में वैश्विक स्तर पर सकारात्मक सूचनाओं (जैसाकि पहले कहा जा चुका है), भारत में पूंजी प्रवाह के आगमन में तेजी, घरेलू वास्तविक क्षेत्र की गतिविधियों के सकारात्मक समाचारों जिसमें 2008-09 की चौथी तिमाही में जीडीपी वृद्धि आशा से ज्यादा हो गयी थी, और राजनैतिक स्थिरता के कारण उछाल दिखा तथा जिन्होंने अधिकांश उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं और उन्नत देशों के ईक्विटी बाजारों को पीछे छोड़ दिया। फिर भी, केंद्रीय बजट और मानसून के आगमन में देरी के कारण ईक्विटी के मूल्यों में कुछ गिरावट आई। तदुपरांत, ईक्विटी के मूल्यों में ऊर्ध्वगामी प्रवृत्ति दिखी। आय वक्र यद्यपि शुरू-शुरू में नरम चलनिधि दशाओं के कारण नीचे की तरफ रहा, बाद की अवधि में इसमें बढ़ने की प्रवृत्ति प्रारंभ हुई, विशेष रूप से मध्यम से दीर्घकालिक अवधि में, जो व्यापक सरकारी उधार कार्यक्रम के प्रति बाजार रेसपांस को दर्शाता है।

अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाजार

V.3 वैश्विक वित्तीय बाजार में, सर्वाधिक गंभीर आघात सहन करने के पश्चात, 2009 की दूसरी तिमाही में स्थिरता के चिह्न दिखाई दिए साथ ही, कुछ बाजार घटकों की गतिविधियों में पुनः तेजी आई। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं की आर्थिक दशाओं में गिरावट की गति में मंदी के आरंभिक चिह्नों, प्रत्याशित कंपनी निष्पादन की तुलना में बेहतर स्थिति और सरकारी तथा केंद्रीय बैंकों द्वारा विश्वास निर्माण के उपायों ने बाजार में सामान्य विश्वास को बढ़ाया। सकारात्मक परिणाम निवेशकों की जोखिम उठाने की इच्छा में सामान्य वृद्धि में दिखे जिससे अक्टूबर 2008 के सबसे नीचे के स्तर से ईक्विटी मूल्यों में काफी अधिक सुधार हुआ, जिससे कुछ बाजार घटकों के ऋण स्प्रेड में कमी और निहित अस्थिरता में

गिरावट आई (चार्ट 20)। नीति प्रेरित उपायों की एक श्रृंखला ने बाजार अनिश्चितता को समाप्त करने में योगदान दिया और 2009 की दूसरी तिमाही में वित्तीय बाजार को स्थिर करने में मदद की, इन उपायों में शामिल हैं : मौद्रिक दशाओं को कम करने के लिए केंद्रीय बैंकों द्वारा किए गए और उपाय, अप्रैल 2009 में जी 20 द्वारा घोषित कार्य योजना, बैंकों के लिए विशेष बचाव पैकेज योजना की घोषणा, विशेष रूप से अमरीका और ब्रिटेन में, तथा अमरीकन फेड बैंक की तनाव जांच आधारित कार्रवाई योजना के परिणाम जारी करना ।

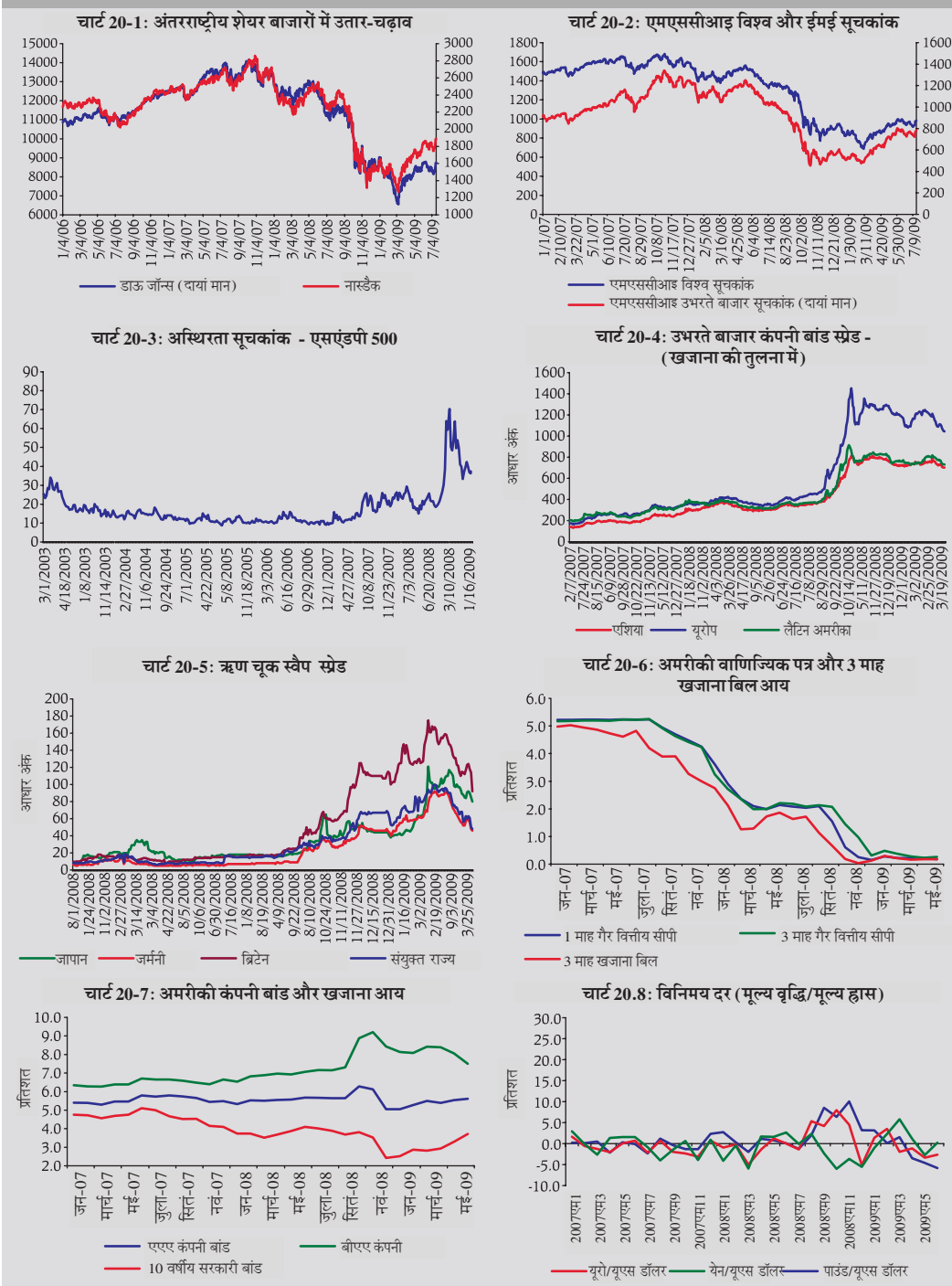
V.4 केंद्रीय बैंक ने अपनी मौद्रिक दशाओं को नरम रखना जारी रखा जिसमें ईसीबी ने अपनी मुख्य पुर्नवित्तीयन दर को 50 आधार अंक कम करके (मई 2009) एक प्रतिशत तक कम कर दिया। 2009 की दूसरी तिमाही में, कई गैर परंपरागत उपायों सहित केंद्रीय बैंक के कार्यों से, अधिकांशतः अल्प अवधि में, उन्नत अर्थव्यवस्थाओं की खजाना आय में गिरावट आई। यद्यपि दीर्घावधि आय कुछ समय के लिए कम हुई, यह कई गतिविधियों के कारण बढ़नी शुरू हो गई जैसे जोखिम उठाने की इच्छा की वापसी और निवेशकों के सुरक्षित निवेश की ओर पलायन से वापसी, बढ़ते राजकोषीय घाटे की चिंताएं तथा सरकारों की बड़ी-बड़ी राहत योजनाओं के कारण तेजी से घटते कर राजस्व। अंतर बैंक बाजार की गतिविधियों से स्प्रेड में संकीर्णता दिखी, साथही फरवरी के अंत और मई 2009 के अंत के बीच लिबोर - ओआइएस (एक दिवसीय सूचकांक अदला बदली) स्प्रेड और विदेशी मुद्रा अदला-बदली स्प्रेड में क्रमिक रूप से संकीर्णता दिखी।

V.5 विकसित देशों और उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं के ईक्विटी बाजारों में मार्च 2009 से दृष्टिगोचर सुधार दिखा, और नकारात्मक समाचारों में सविराम गिरावट आई (चार्ट 20-1, 2 और 3)। यद्यपि

अधिकांश अर्थव्यवस्थाओं में गतिविधियां कमजोर रहीं, उनमें उत्पादन में गिरावट रही, बाजार में समष्टि आर्थिक आंकड़ों के कारण तेजी दिखी जिससे आर्थिक गतिविधियों में गिरावट की गति में कमी तथा कुछ अर्थव्यवस्थाओं के संकट से निकलने के कुछ प्रारंभिक संकेत मिलते हैं। बाल्टिक ड्राइ इंडेक्स, जिसके द्वारा शुष्क जहाजरानी कार्गो के आवागमन की मात्रा का मापन किया जाता है और इसे सामान्यतया वैश्विक आर्थिक गतिविधि के एक संकेतक के रूप में प्रयोग किया जाता है, ऊपर की ओर तेजी से बढ़ना शुरू हो गया। मार्च और 17 जुलाई 2009 के बीच, नास्टैक 23.4 प्रतिशत बढ़ा, यद्यपि इसमें अक्सर आने वाले प्रतिकूल समाचारों के कारण सविराम अस्थिरता दिखी। शेयर बाजार में तेजी कुछ व्यापक आधारित थी जिसमें वित्त संबंधी तथा उद्योग संबंधी और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं शामिल थीं जिसे बेहतर कंपनी अर्जन प्रत्याशाओं और स्पष्ट सार्वजनिक नीति कार्रवाइयों के कारण वित्तीय क्षेत्र की अनिश्चितता में कमी के द्वारा समर्थन मिला।

V.6 ऋण बाजार में भी दूसरी तिमाही में निवेशक जोखिम सहनशीलता बढ़ गयी जिससे अमरीका के बैंकों के ऋण स्प्रेड सरकारी नीति कार्रवाई और बाजार के स्थिर होने के संकेतों के कारण घट गए तथा उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं के जोखिम बोध में भी सामान्यीकृत गिरावट आई। तथापि, स्प्रेड लीमन स्तर के पहले की तुलना में अधिक बने रहे और आस्ति आधारित प्रतिभूति (एबीएस) और वाणिज्य पत्र (सीपी) बाजार में दुर्बलताएं स्पष्ट रूप से दिखीं। विकसित बाजारों में चूक के लिए बेहतर संभावना 2009 की दूसरी तिमाही में सीडीएस स्प्रेड के कम होने में परिलक्षित हुई। अल्पकालिक निधीयन बाजार पर दबाव की कमी को परिलक्षित करते हुए, सीपी स्प्रेड में नरमी दिखी (चार्ट 20-6) और कम दर वाले कंपनी बांडों पर भी स्प्रेड कम हुआ (चार्ट 20-7)।

चार्ट 20 : वैश्विक वित्तीय बाजार गतिविधियों के संकेतक



स्रोत: वैश्विक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट तथा विश्व आर्थिक आउटलुक डाटाबेस, आइएमएफ और ब्लूमबर्ग।

V.7 उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं की ईक्विटी के लिए निवेशकों के निवेश विकल्प में तेजी आई जिसमें एमएससीआई में मार्च के अंत और 22 जुलाई 2009 के बीच 41.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई, साथ ही कुछ उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाएं लीमन स्तर के पहले की स्थिति में पहुंच गई (सारणी 34)। जब 2009-10 (21 जुलाई 2009 तक) के दौरान अधिकांश मुद्राओं की तुलना में अमरीकी डालर का मूल्य घट रहा था, तब विदेशी मुद्रा

बाजार में, 2008-09 में अमरीकी डालर में देखी गई मूल्य वृद्धि की प्रवृत्ति उलट गई (चार्ट 20-8)। मार्च 2009 के अंत और 21 जुलाई 2009 के बीच अमरीकी डालर के मूल्य में यूरो, पाउंड स्टर्लिंग तथा जापानी येन की तुलना में 6.4 प्रतिशत, 12.6 प्रतिशत और 4.2 प्रतिशत की गिरावट आई। एशिया की मुद्राओं में, इसके मूल्य में भारतीय मुद्रा, इंडोनेशिया रुपिया, मलेशिया रिंगिट, दक्षिण कोरिया वोन और थाई बाहट की तुलना में गिरावट आई (सारणी 34)।

सारणी 34 : उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रा और शेयर मूल्य में उतार-चढ़ाव

(प्रतिशत)			
अमरीकी डॉलर के मूल्य में वृद्धि (+) / मूल्य ह्रास (-)			
मद	मार्च के अंत 2008 @	मार्च के अंत 2009 @	जुलाई 21, 2009*
1	2	3	4
चीनी युआन	-9.3	-2.6	-0.1
रूसी रूबल	-9.7	44.3	-8.0
तुर्की लीरा	-5.8	27.7	-10.0
भारतीय रुपया	-8.3	27.5	-5.3
इंडोनेशियाई रुपिया	1.1	25.6	-13.2
मलेशियन रिंगिट	-7.8	14.4	-2.9
दक्षिण कोरियाई वॉन	5.5	38.9	-8.0
थाई बाहट	-10.2	12.9	-4.2
अर्जेंटीना पेसो	2.1	17.3	2.6
ब्राजीली रियल	-17.0	31.2	-14.9
मेक्सिकन पेसो	-3.5	32.9	-5.9
दक्षिण अफ्रीकी रेंड	11.3	17.2	-17.5
शेयर मूल्य उतार-चढ़ाव			
	मार्च 2008 के अंत में @	मार्च 2009 के अंत @	जुलाई 22, 2009*
इंडोनेशिया (जकार्ता संमिश्र)	33.7	-41.4	48.2
ब्राजील (बोवेसा)	33.1	-32.9	29.7
थाईलैंड (सेट)	21.3	-47.2	38.6
भारत (बीएसई संवेदी सूचकांक)	19.7	-37.9	52.9
दक्षिण कोरिया (कोस्पी)	17.3	-29.2	23.9
चीन (संघाई संमिश्र)	9.1	-31.7	38.9
ताइवान (ताइवान टाइक्स)	8.7	-39.2	34.1
रूस (आरटीएस)	6.1	-66.4	39.6
मलेशिया (केएलसीआई)	0.1	-30.1	31.6
सिंगापुर (स्ट्रेट्स टाइम्स)	-4.9	-43.5	44.2
<i>जापान:</i>			
ईएमई (एमएससीआई)	18.9	-48.4	41.5
विश्व (एमएससीआई)	-5.1	-44.0	24.8
अमरीका (डाऊ जॉन्स)	-0.7	-38.0	16.7

@ : वर्ष-दर-वर्ष घट-बढ़ ।

* : मार्च 2009 के अंत की तुलना में घट-बढ़ ।

स्रोत

1. ब्लूमबर्ग ।
2. अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सांख्यिकी, आइएमएफ ।

V.8 वैश्विक वित्तीय बाजार में सुधार के बावजूद, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली अभी भी सरकारी सहायता पर बहुत अधिक निर्भरता, देशों की ऋण भार संबंधी बढ़ती चिंताओं और मौद्रिक नरमी तथा राजकोषीय सहायता से बाहर निकलने की भावी रणनीति के बारे में स्पष्टता की कमी के कारण अस्थिर बनी हुई है।

घरेलू वित्तीय बाजार

V.9 रिजर्व बैंक द्वारा किए गए उपायों के प्रभाव को दर्शाते हुए, भारतीय वित्तीय बाजार अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाजारों की तुलना में काफी पहले सामान्य स्थिति में लौट आया था। मुद्रा बाजार में मांग दरें नवंबर 2008 से अनौपचारिक एलएएफ दायरे के अंदर आ गई हैं जिन्होंने पिछले दो महीनों की ऊपरी सीमा को तोड़ दिया है। विदेशी मुद्रा बाजार में, जब पूंजी प्रवाह शुरू हो गए तो 2009-10 की पहली तिमाही में मूल्य वृद्धि के पहले, भारतीय रुपए के मूल्य में, वित्तीय वर्ष 2008-09 के अंत तक प्रमुख मुद्राओं की तुलना में सामान्यतया गिरावट आई। ऋण बाजार में, वाणिज्यिक बैंकों की उधार दरें नवंबर 2008 से क्रमिक गति से कम होना शुरू हो गईं। सरकारी प्रतिभूति बाजार की गतिविधियां 2008-09 की चौथी तिमाही के अधिकांश भाग से नरम हुईं, तथापि, 2009-10 की पहली तिमाही में मात्रा में तेजी आई और आय बढ़ी, विशेष रूप से मध्यम से दीर्घावधि परिपक्वता की। वैश्विक गतिविधियों से अनुकरण करते हुए, भारतीय ईक्विटी बाजार में मार्च 2009 की अंतिम तिमाही में सुधार आया जो 2009-10 की पहली तिमाही में जारी रहा (सारणी 35)।

चलनिधि दशाएं

V.10 वैश्विक और घरेलू गतिविधियों की पृष्ठभूमि में, रिजर्व बैंक ने प्रणाली में पर्याप्त चलनिधि बनाए रखने के

अपने प्रयास जारी रखे। पर्याप्त चलनिधि रिजर्व बैंक के रिवर्स रिपो शेषों के काफी अधिक होने के रूप में भी परिलक्षित हुई। नीति दरों को अप्रैल 2009 में 25 आधार अंक और घटाया गया। 2009-10 की पहली तिमाही के दौरान चलनिधि दशाएं काफी अधिक नरम हुईं, जो बाजार उधारों के काफी अधिक होने के बावजूद मुख्य रूप से एमएसएस की अनवाइंडिंग, खुले बाजार की क्रियाओं (ओएमओ) और रिजर्व बैंक के पास केंद्र सरकार के नगद शेषों में परिलक्षित होती है। सरकारी बाजार उधारों की सुगमता को सुनिश्चित करने के लिए, रिजर्व बैंक ने 2009-10 की पहली तिमाही के लिए ओएमओ कार्यक्रम के अंतर्गत 80,000 करोड़ रुपए की राशि के बराबर सरकारी प्रतिभूतियों को क्रय करने का अपना इरादा व्यक्त किया।

सरकार का नकदी प्रबंधन

V.11 2009-10 के दौरान (30 जून तक), केंद्र सरकार ने अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) और ओवर ड्राफ्ट (ओडी) का सहारा लिया, जबकि इसके पास पिछले वर्ष की तदनु रूप अवधि के दौरान नगद शेषों के आधिक्य की स्थिति थी (चार्ट 21 और सारणी 36)। इसने, *अन्य बातों के साथ-साथ*, निम्नलिखित को परिलक्षित किया : (i) मार्च 2009 के अंत में बकाया नकद शेष के आधिक्य के निम्नस्तर को, और (ii) 2008-09 की पहली तिमाही के दौरान राज्यों द्वारा अत्यधिक नगद शेषों के बढ़े हुए आहरण को। 16 जून 2009 को नगद शेष तिमाही अग्रिम कर अंतर्वाहों के कारण ऋणात्मक हो गए।

चलनिधि प्रबंधन

V.12 2009-10 की पहली तिमाही के दौरान मुद्रा बाजार में मुख्य रूप से निम्नलिखित के कारण चलनिधि में और नरमी दिखनी जारी रही : (i) एमएसएस अनवाइंडिंग (28,000 रुपए को मुक्त करने सहित लगभग 65,000 करोड़ रुपए); (ii) नीलामी आधारित ओएमओ क्रय

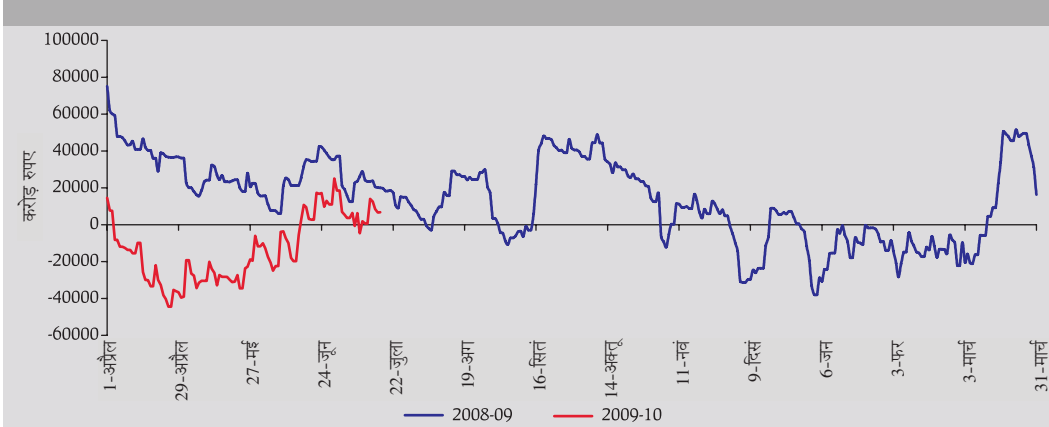
सारणी 35: देशी वित्तीय बाजार - एक नजर में

वर्ष/ माह	मांग मुद्रा		सरकारी प्रतिभूतियां		विदेशी मुद्रा			चलनिधि प्रबंधन		ईक्विटी			
	औसत दैनिक कुल कारोबार (करोड़ रुपए)	औसत मांग दर* (प्रति शत)	सरकारी प्रतिभूतियों में औसत कारोबार + (करोड़ रुपए)	औसत 10-वर्षीय आय @ (प्रति शत)	औसत दैनिक अंतर बैंक कारोबार (मिलियन अमरीका डालर)	औसत विनिमय दर (रु. प्रति अमरीकी डालर)	रिज़र्व बैंक की निवल विदेशी मुद्रा बिक्री (-)/ खरीद (+) (मिलियन अमरीकी डालर)	बकाया औसत एमएसएस# (करोड़ रुपए)	बकाया औसत दैनिक रिवर्स रिपो (एलएएफ) (करोड़ रुपए)	औसत दैनिक बीएसई कुल कारोबार (करोड़ रुपए)	औसत दैनिक एनएसई कुल कारोबार (करोड़ रुपए)	औसत बीएसई सेसेक्स **	औसत एस एण्ड पी सीएन एक्स निफ्टी**
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
2006-07	21,725	7.22	4,863	7.78	18,540	45.28	26,824##	37,698	21,973	3,866	7,812	12277	3572
2007-08	21,393	6.07	8,104	7.91	34,044	40.24	78,203##	1,28,684	4,677	6,275	14,148	16569	4897
2008-09	22,436	7.06	7,176	7.54	34,707	45.92	-34,922##	1,48,889	2,885	4,498	11,325	12366	3731
अप्रैल 2008	19,516	6.11	6,657	8.10	37,580	40.02	4,325	1,70,726	26,359	5,773	13,561	16291	4902
मई 2008	19,481	6.62	6,780	8.04	32,287	42.13	148	1,75,565	11,841	6,084	13,896	16946	5029
जून 2008	21,707	7.75	6,835	8.43	36,588	42.82	-5,229	1,74,433	-8,622	5,410	12,592	14997	4464
जुला 2008	24,736	8.76	5,474	9.18	38,862	42.84	-6,320	1,72,169	-27,961	5,388	12,862	13716	4125
अग 2008	23,408	9.1	7,498	9.06	38,388	42.94	1,210	1,71,944	-22,560	4,996	11,713	14722	4417
सित 2008	23,379	10.52	10,418	8.45	44,700	45.56	-3,784	1,75,666	-42,591	5,147	12,489	13943	4207
अक्तू 2008	28,995	9.9	4,321	7.85	36,999	48.66	-18,666	1,69,123	-45,612	3,911	10,810	10550	3210
नव 2008	21,812	7.57	5,866	7.41	31,322	49.00	-3,101	1,47,648	-8,017	3,539	9,618	9454	2835
दिस 2008	21,641	5.92	11,451	5.55	34,874	48.63	-318	1,24,848	22,294	3,851	10,141	9514	2896
जन 2009	18,496	4.18	9,568	5.84	27,171	48.83	-29	1,13,535	45,474	3,526	9,559	9350	2854
फर 2009	22,241	4.16	5,916	5.98	24,840	49.26	230	1,02,934	50,649	2,859	7,887	9188	2819
मार्च 2009	23,818	4.17	5,322	6.59	32,876	51.23	-3,388	88,077	33,360	3,489	10,140	8995	2802
अप्रैल 2009	21,820	3.28	7,998	6.55	27,497	50.06	-2,487	75,146	1,01,561	5,232	15,688	10911	3360
मई 2009	19,037	3.17	7,292	6.41	32,156	48.53	-1,437	45,955	1,25,728	6,427	19,128	13046	3958
जून 2009	17,921	3.21	7,288	6.83	32,086	47.77	-	27,140	1,23,400	7,236	21,928	14782	4436

* : औसत दैनिक भारत मांग मुद्रा उधार दरें। + : केंद्र सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियों में दैनिक तत्काल कारोबार का औसत।
@ : औसत दैनिक अंतिम दरें। # : साप्ताहिक बकाया एमएसएस का औसत। ** : औसत दैनिक अंतिम सूचकांक। ## : वित्त वर्ष के लिए संचयी।
एमएसएस : बाजार स्थिरीकरण योजना। बीएसई : मुंबई शेयर बाजार लि.। एनएसई : नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि.। - : उपलब्ध नहीं।
टिप्पणी: स्तंभ 10 में (-) चलनिधि बढ़ाने को तथा (+) चलनिधि के अवशोषण को सूचित करता है।

(28,189 करोड़ रुपए); और (iii) केंद्र सरकार के नगद और सारणी 37)। एलएएफ के रिवर्स रिपो विन्डो के शेषों में कमी (लगभग 3,400 करोड़ रुपए) (चार्ट 22 अंतर्गत बकाया राशि 2009-10 की पहली तिमाही के

चार्ट 21: केंद्र सरकार के नकद शेष



मौद्रिक नीति वक्तव्य 2009-10

समष्टि आर्थिक और मौद्रिक
गतिविधियां पहली तिमाही
समीक्षा 2009-10

सारणी 36 : केन्द्र सरकार का नकदी प्रबंधन			
	2007-08	2008-09	2009-10*
1	2	3	4
दिनों की संख्या			
डब्ल्यूएमए	91	109	76
ओडी	27	40	28
नकदी घाटा	91	109	76
औसत उपयोग (करोड़ रुपए)			
डब्ल्यूएमए	3,605	2,077	11,128
ओडी	645	1,823	4,185

*: 22 जुलाई तक

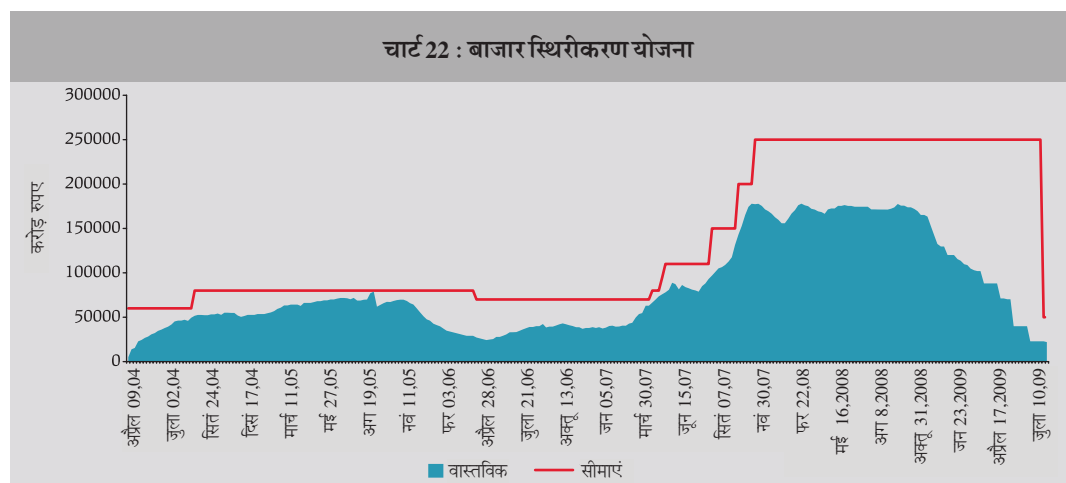
दौरान (8 मई 2009 को) 1,45,770 करोड़ रुपए अत्यधिक थी। निवल अवशोषण और बढ़कर 3 जुलाई 2009 को 1,56,655 करोड़ रुपए (दोनों एलएएफ और एसएलएएफ) हो गया। विदेशी मुद्रा अदला-बदली सुविधा और मीयादी रिपो सुविधा के अंतर्गत उपलब्ध नकदी अप्रैल-जून 2009 के दौरान सामान्य रूप से घटी। एलएएफ दरों अर्थात रिपो और रिवर्स रिपो को 21 अप्रैल 2009 से 25 आधार अंक और घटाकर क्रमशः 4.75 प्रतिशत और 3.25 प्रतिशत किया गया।

V.13 चलनिधि दशाओं की समीक्षा के बाद यह तय किया गया कि 6 मई 2009 से केवल एक एलएएफ को

सारणी 37 : चलनिधि की स्थिति (करोड़ रुपए)				
अंतिम शुक्रवार को बकाया	एलएएफ	एमएसएस	आरबीआइ के पास केन्द्र के अधिषण @	कुल (2 से 4)
1	2	3	4	5
2008				
जनवरी	985	1,66,739	70,657	2,38,381
फरवरी	8,085	1,75,089	68,538	2,51,712
मार्च*	-50,350	1,68,392	76,586	1,94,628
अप्रैल	32,765	1,72,444	36,549	2,41,758
मई	-9,600	1,75,362	17,102	1,82,864
जून	-32,090	1,74,433	36,513	1,78,856
जुलाई	-43,260	1,71,327	15,043	1,43,110
अगस्त	-7,600	1,73,658	17,393	1,83,451
सितंबर	-56,480	1,73,804	40,358	1,57,682
अक्टूबर	-73,590	1,65,187	14,383	1,05,980
नवंबर	-9,880	1,32,531	7,981	1,30,632
दिसंबर	14,630	1,20,050	3,804	1,38,484
2009				
जनवरी	54,605	1,08,764	-9,166	1,54,203
फरवरी	59,820	1,01,991	-9,603	1,52,208
मार्च*	1,485	88,077	16,219	1,05,781
अप्रैल	1,08,430	70,216	-40,412	1,38,234
मई	1,10,685	39,890	-6,114	1,44,461
जून	1,31,505	22,890	12,837	1,67,232
जुलाई 17	1,40,660	21,976	6,672	1,69,308

@ : अधिषण के मामले में रिजर्व बैंक के पास न्यूनतम नकद शेषों को छोड़कर।
* : आंकड़े 31 मार्च से संबंधित हैं।

टिप्पणी : 1. स्तंभ 2 में ऋणात्मक चिह्न एलएएफ के माध्यम से चलनिधि बढ़ाने की ओर संकेत करता है।
2. 17 सितंबर 2008 से 5 मई 2009 तक दैनिक आधार पर की जाने वाली द्वितीय एलएएफ को 8 मई 2009 से केवल रिपोर्टिंग शुक्रवार को किया जा रहा है।
3. स्तंभ 4 में ऋणात्मक चिह्न डब्ल्यूएमए / ओडी की माध्यम से चलनिधि बढ़ाने की ओर संकेत करता है।



किया जाएगा और दूसरे एलएएफ को केवल रिपोर्टिंग शुक्रवार को किया जाएगा। माह के मध्य के लगभग अग्रिम कर संग्रहणों के बावजूद, एलएएफ के अंतर्गत आवश्यक दैनिक निवल अवशोषण जून 2009 के दौरान के 1,00,000 करोड़ रुपए बना रहा। 2009-10 की पहली तिमाही के दौरान, मौद्रिक नरमी ओएमओ क्रय और एमएसएस की अनवाइडिंग के रूप में जारी रही। बड़े-बड़े बाजार उधार कार्यक्रमों के बावजूद, प्रणाली में आधिक्य चलनिधि रिवर्स रिपो के माध्यम से किए गए विशाल अवशोषण में परिलक्षित हुई (सारणी 38)।

मुद्रा बाजार

V.14 पहले की तरह, 2009-10 की पहली तिमाही के दौरान मुद्रा बाजार सामान्य स्थिति में बना रहा। मांग मुद्रा दर तिमाही की शुरुआत से कम होनी शुरू हो गयी

मुख्य रूप से सरकारी आधिक्य में गिरावट के चलते चलनिधि दशाओं में काफी अधिक नरमी, एमएसएस अनवाइडिंग और ओएमओ तथा अप्रैल 2009 में घोषित एलएएफ नीति दर में 25 आधार अंक की कटौती के कारण। इस प्रकार, आधिक्य चलनिधि और कम नीति दरों को दर्शाते हुए, मांग दर 2008-09 की अंतिम तिमाही के 4.2 प्रतिशत की तुलना में 2009-10 की पहली तिमाही के 3.2 प्रतिशत के रिवर्स रिपो दर के आस-पास घूमती रही (चार्ट 23)। जुलाई 2009 (23 जुलाई तक) को औसत मांग दर 3.2 प्रतिशत थी।

V.15 मुद्रा बाजार के संपार्श्विकीकृत घटक - बाजार रिपो (एलएएफ के बाहर) और संपार्श्विकीकृत उधार लेने और उधार देने संबंधी दायित्व (सीबीएलओ) - की ब्याज दरों में भी 2009-10 की पहली तिमाही की मांग दर के अनुरूप कमी आई और ये मांग दर से नीचे बनी

सारणी 38 : रिजर्व बैंक के चलनिधि प्रबंधन कार्य

मद	2007-08	2008-09	2008-09				2009-10	
			ति1	ति2	ति3	ति4	अप्रैल	मई
			4	5	6	7	8	9
1	2	3	4	5	6	7	8	9
क. चलनिधि के प्रेरक कारक (1+2+3+4)	2,03,010	-1,67,708	6,061	-18,851	-1,01,278	-53,640	16,842	-49,573
1. प्राधिकृत व्यापारियों से आरबीआइ का निवल क्रय	3,12,054	-1,78,592	-8,555	-40,249	-1,12,168	-17,620	-5,695	-13,271
2. जनता के पास मुद्रा	-85,587	-97,921	-30,063	12,360	-40,070	-40,147	-21,157	-2,629
3. a. रिजर्व बैंक में केंद्र की अतिरिक्त नकदी शेष	-26,594	60,367	40,073	-3,845	36,554	-12,415	16,219	0
b. अर्थोपाय अग्रिम और ओवरड्राफ्ट	0	0	0	0	0	0	40,412	-34,298
4. अन्य (अवशिष्ट)	3,137	48,438	4,606	12,884	14,406	16,542	-12,937	625
ख. चलनिधि प्रबंधन (4+5+6+7)	-1,17,743	2,35,209	-37,659	7,217	1,33,325	1,32,326	-69,754	45,245
4. एलएएफ रिपो का चलनिधि प्रभाव	21,165	-51,835	-18,260	24,390	-71,110	13,145	-1,06,945	-2,255
5. ओएमओ (निवल) का चलनिधि प्रभाव*	13,510	1,04,480	14,642	11,949	10,681	67,208	19,330	17,174
6. एमएसएस का चलनिधि प्रभाव	-1,05,418	80,314	-6,041	628	53,754	31,973	17,861	30,326
7. चलनिधि पर सीआरआर परिवर्तन के प्रभाव का पहला चक्र	-47,000	1,02,250	-28,000	-29,750	1,40,000	20,000	0	0
ग. बैंक का रिजर्व (क+ख) #	85,267	67,501	-31,598	-11,634	32,047	78,686	-52,912	-4,328

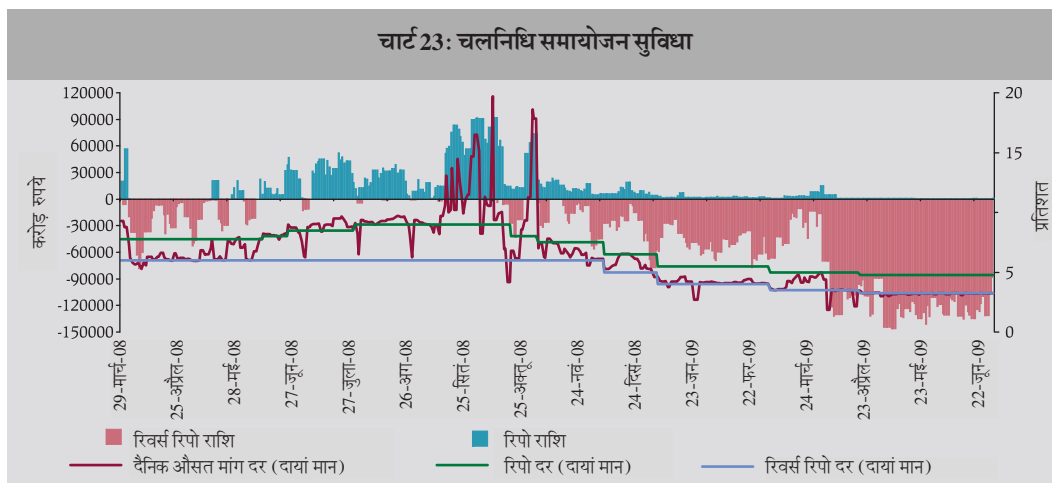
(+) : बैंकिंग व्यवस्था में चलनिधि बढ़ाना सूचित करता है।

(-) : बैंकिंग व्यवस्था से चलनिधि के अवशोषण को सूचित करता है।

* : तेल बांड शामिल हैं लेकिन राज्य सरकारों की ओर से सरकारी प्रतिभूतियों के क्रयों को शामिल नहीं किया गया है।

: बैंकों में वॉल्ट नकदी तथा सीआरआर परिवर्तन के कारण पहले चरण के चलनिधि प्रभाव के लिए समायोजित।

टिप्पणी : आंकड़े 31 मार्च के हैं और अन्य सभी महीनों के लिए अंतिम शुक्रवार के हैं।

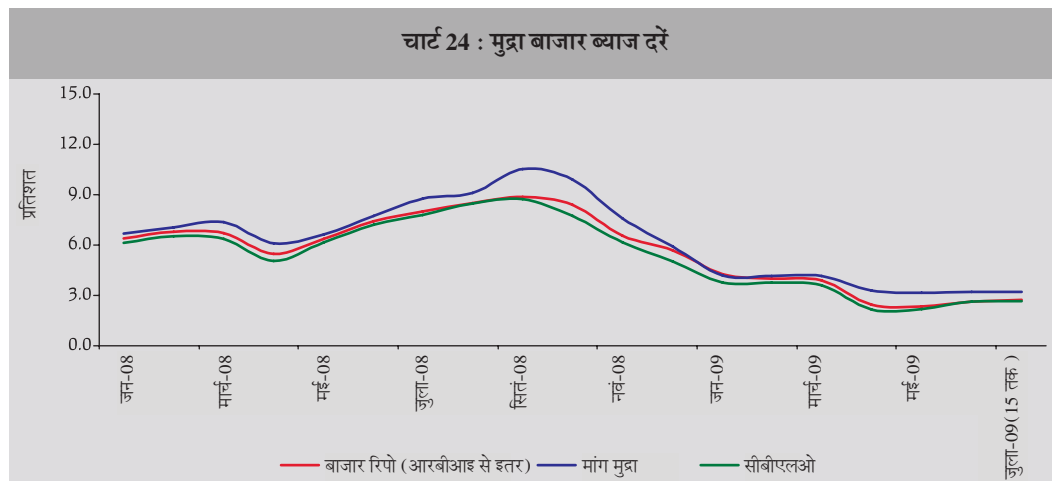


रहीं (चार्ट 24)। मुद्रा बाजार के संपार्श्विकीकृत घटक में भारित औसत ब्याज दर 2008-09 की चौथी तिमाही के 3.8 प्रतिशत से और घटकर 2009-10 की पहली तिमाही के दौरान 2.4 प्रतिशत हो गई। सीबीएलओ और बाजार रिपो खंडों में लेन-देन की मात्रा 2009-10 की पहली तिमाही के दौरान सापेक्षिक रूप से उच्च स्तर पर बनी रही। संपार्श्विकीकृत खंड में उधार का लगभग 75 प्रतिशत म्युच्युअल फंडों द्वारा दिया गया जो उनकी बढ़ी हुई उधार देने की क्षमता को दर्शाती है। संपार्श्विकीकृत बाजार मुद्रा बाजार के प्रमुख हिस्सा बने

रहे और उनका हिस्सा मुद्रा बाजार की कुल मात्रा के 80 प्रतिशत से अधिक था।

जमा प्रमाणपत्र

V.16 एससीबी द्वारा जारी जमा प्रमाणपत्र, जिनमें 2008-09 की चौथी तिमाही में तेजी आई, 2009-10 की पहली तिमाही में बढ़े, जो म्युच्युअल फंडों और वित्तीय संस्थाओं जैसे निवेशकों के पास चलनिधि में सामान्य सुधार को दर्शाता है। 19 जून 2009 को जमा प्रमाणपत्रों की बकाया राशि जारीकर्ता बैंकों की कुल



जमाओं का 7.4 प्रतिशत थी। जमा प्रमाणपत्रों की समग्र भारित औसत छूट दर (डब्ल्यूएडीआर) अन्य मुद्रा बाजार दरों के अनुरूप मार्च और जून 2009 के बीच लगभग 260 आधार अंक कम हुई (सारणी 39)।

वाणिज्यिक पत्र

V.17 वाणिज्यिक पत्र बाजार में मात्रा दिसंबर 2008 के अपने निम्नतम स्तर से काफी अधिक बढ़ गई, जिसमें 2009-10 की पहली तिमाही में काफी अधिक तेजी आई, जो एनबीएफसी द्वारा निधियों की मांग और कंपनियों के द्वारा कार्यशील पूंजी के मांग में पुनरुज्जीवन को दर्शाती है (सारणी 39 और 40)। म्युच्युअल फंड वाणिज्यिक

पत्र बाजार में प्रमुख निवेशक थे और वाणिज्यिक पत्रों के निर्गम की पसंदीदा अवधि 6 माह से 1 वर्ष थी। मात्रा में बढ़त के बावजूद, सीपी पर ब्याज दरों में कमी 2009-10 की पहली तिमाही में जारी रही, साथ ही मार्च 2009 में 468 आधार अंक की गिरावट आई।

खजाना बिल

V.18 खजाना बिल, जो 2008-09 में बढ़ी हुई राशि के लिए जारी किए गए थे और चुकौती के लिए देय थे, 2009-10 की पहली तिमाही में रोलओवर किए गए। सरकार की नगद स्थिति की समीक्षा पर निर्णय लिया गया कि परिपक्व राशि को सितंबर 2009 तक के लिए

सारणी 39 : मुद्रा बाजार खंडों में गतिविधियां

वर्ष / माह	औसत दैनिक मात्रा (एक चरण)						वाणिज्यिक पत्र		जमा प्रमाणपत्र	
	मांग	रिपो बाजार	सीबीएलओ	कुल (2+3+4)	मुद्रा बाजार दर* (प्रतिशत)	मीयादी मुद्रा बाजार	बकाया राशि	डब्ल्यूएडीआर (प्रतिशत)	बकाया राशि	डब्ल्यूएडीआर (प्रतिशत)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
2006-07	10,863	8,419	16,195	35,477	6.57	506	21,329+	8.08+	64,821+	8.24+
2007-08	10,697	13,684	27,813	52,194	5.48	352	33,813	9.20	1,17,186	8.94
2008-09	11,218	14,330	30,776	56,323	6.43	397	47,183	10.54	1,62,574	9.31
2008										
अप्रैल	9,758	14,966	38,828	63,552	5.31	374	37,584	8.85	1,50,865	8.49
मई	9,740	14,729	36,326	60,795	6.29	420	42,032	9.02	1,56,780	8.95
जून	10,854	11,262	35,774	57,890	7.35	253	46,847	10.03	1,63,143	9.16
जुलाई	12,368	8,591	23,669	44,628	8.09	226	51,569	10.95	1,64,892	10.23
अगस्त	11,704	10,454	22,110	44,268	8.65	501	55,036	11.48	1,71,966	10.98
सितंबर	11,690	10,654	20,547	42,891	9.26	335	52,038	12.28	1,75,522	11.56
अक्टूबर	14,497	9,591	16,818	40,906	8.66	345	48,442	14.17	1,58,562	10.00
नवंबर	10,906	15,191	24,379	50,476	6.58	319	44,487	12.42	1,51,493	10.36
दिसंबर	10,820	16,943	32,261	60,024	5.37	415	40,391	10.70	1,51,214	8.85
जनवरी	9,248	18,053	31,794	59,095	3.99	454	51,668	9.48	1,64,979	7.33
फरवरी	11,121	19,929	38,484	69,534	3.89	669	52,560	8.93	1,75,057	6.73
मार्च	11,909	21,593	48,319	81,821	3.76	451	44,171	9.79	1,92,867	7.53
2009										
अप्रैल	10,910	20,545	43,958	75,413	2.41	332	52,881	6.29	2,10,954	6.48
मई	9,518	22,449	48,505	80,472	2.34	338	60,740	5.75	2,18,437	6.20
जून	8,960	21,694	53,553	84,207	2.69	335	67,239 +	5.11 +	2,21,491	4.90

* : मांग, बाजार रिपो और सीबीएलओ की भारित औसत दर।

+ : 15 जून 2009 को।

डब्ल्यूएडीआर : भारित औसत छूट दर।

मौद्रिक नीति वक्तव्य 2009-10

समष्टि आर्थिक और मौद्रिक
गतिविधियां पहली तिमाही
समीक्षा 2009-10

सारणी 40: वाणिज्यिक पत्र - प्रमुख जारीकर्ता					
(करोड़ रुपए)					
जारीकर्ता संवर्ग	के अंत में				
	जून 2008	सितंबर 2008	दिसंबर 2008	मार्च 2009	जून 2009*
1	2	3	4	5	
पट्टेदारी तथा वित्तपोषण	34,957 (74.6)	39,053 (75.0)	27,965 (73.5)	27,183 (61.5)	35,436 (52.7)
विनिर्माण	8,150 (17.4)	9,925 (19.1)	6,833 (18.0)	12,738 (28.9)	24,238 (36.0)
वित्तीय संस्थाएं	3,740 (8.0)	3,060 (5.9)	3,257 (8.5)	4,250 (9.6)	7,565 (11.3)
कुल	46,847	52,038	38,055	44,171	67,239

* : 15 जून 2009 के अनुसार।

टिप्पणी: कोष्ठक में दिए गए आंकड़े कुल का प्रतिशत अंश हैं।

रोल ओवर किया जाए। 2009-10 की पहली तिमाही में नीति दर कटौती और मुद्रा बाजार में पर्याप्त चलनिधि के दौरान प्राथमिक बाजार आय कम हुई जो अप्रैल 2009 के प्रभाव को दर्शाती है (सारणी 41)।

सारणी 41 : प्राथमिक बाजार में खजाना बिल							
वर्ष / माह	अधिसूचित राशि (करोड़ रु.)	अधिकतम कट-ऑफ मूल्य पर औसत निहित आय (प्रतिशत)			औसत बिड - कवर अनुपात		
		91-दिवसीय	182-दिवसीय	364-दिवसीय	91-दिवसीय	182-दिवसीय	364-दिवसीय
1	2	3	4	5	6	7	8
2007-08	2,24,500 @	7.10	7.40	7.42	2.84	2.79	3.21
2008-09	2,99,000 @	7.10	7.22	7.15	3.43	2.91	3.47
अप्रैल 2008	22,000	7.28	7.41	7.53	1.70	1.36	2.36
मई 2008	21,000	7.41	7.55	7.61	2.65	2.78	3.05
जून 2008	11,500	8.01	8.42	7.93	2.00	2.76	2.80
जुला 2008	16,000	9.07	9.33	9.39	2.35	2.72	2.70
अग 2008	23,500	9.15	9.31	9.24	2.99	2.86	4.35
सितंबर 2008	25,000	8.69	8.92	8.83	3.06	3.04	3.57
अक्टू 2008	35,000	8.13	8.36	7.92	1.95	2.42	4.00
नवंबर 2008	28,000	7.30	7.13	7.23	7.95	2.97	4.33
दिसंबर 2008	16,500	5.69	5.35	5.07	5.36	4.67	5.14
जन 2009	38,500	4.69	4.60	4.64	4.56	3.22	4.80
फर 2009	32,000	4.78	4.71	4.62	2.81	1.86	2.62
मार्च 2009	30,000	4.77	4.86	5.25	2.10	2.67	1.44
2009-10							
अप्रैल 2009	44,000	3.81	4.11	4.07	3.22	2.79	5.07
मई 2009	29,000	3.26	3.42	3.58	3.18	2.25	3.14
जून 2009	23,000	3.35	3.49	3.99	3.37	5.65	2.86

@: वित्तीय वर्ष का कुल।

टिप्पणी: 1. अप्रैल 2005 में 182 दिवसीय खजाना बिल पुनः शुरू किए गए।
2. अधिसूचित राशि में बाजार स्थिरीकरण योजना के निर्गम शामिल हैं।

सरकारी प्रतिभूति बाजार

केंद्र सरकार की प्रतिभूतियां

V.19 2009-10 के दौरान केंद्र सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियों के सकल और निवल निर्गमों के 2008-09 की तुलना में क्रमशः 65.2 प्रतिशत और 83.4 प्रतिशत अधिक होने का अनुमान लगाया गया है। 2009-10 के दौरान (22 जुलाई तक), केंद्र सरकार ने अनुमानित उधार कार्यक्रम का एक बड़ा भाग (44.2 प्रतिशत) पूरा कर लिया (आंतरिक उधार और एमएसएस खाते को मुक्त करने के माध्यम से जुटाई गई राशियों सहित)। प्रणाली में उपलब्ध पर्याप्त चलनिधि ने ब्याज दरों पर बिना अधिक प्रभाव डाले उधारों को सहूलियत प्रदान की। सरकारी उधार आवश्यकता में प्रत्याशित वृद्धि को देखते हुए, अधिकांश बाजार उधार कार्यक्रम वर्ष के पूर्वार्द्ध में किए गए इसका परिणाम यह हुआ कि निर्गम कैलेंडर में अधिसूचित राशि से अलग जाना पड़ा। सरकार की उच्च वित्तीयन आवश्यकताओं को सुगमता प्रदान करने के लिए, 2 मई

2009 को एमएसएस खाते से 28,000 करोड़ रुपए मुक्त किए गए और केंद्र सरकार के सामान्य नकद खाते में अंतरित किए गए तथा सरकारी प्रतिभूतियों की समान राशि सरकारी उधारों का हिस्सा बनी (सारणी 42)।

राज्य सरकार की प्रतिभूतियां

V.20 2009-10 के दौरान (22 जुलाई 2009 तक) सत्रह राज्य सरकारों के लिए बाजार उधारों के आबंटन 49,883 करोड़ रुपए थे। 2009-10 के वार्षिक नीति वक्तव्य में राज्यों के लिए अनुमानित निवल बाजार उधार 1,26,000 करोड़ रखे गए हैं। 2009-10 के दौरान (22 जुलाई तक), काफी अधिक उधारों के बावजूद, राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों पर ब्याज दर घटी, जो बाजार चलनिधि को दर्शाती है (सारणी 42)।

द्वितीयक बाजार

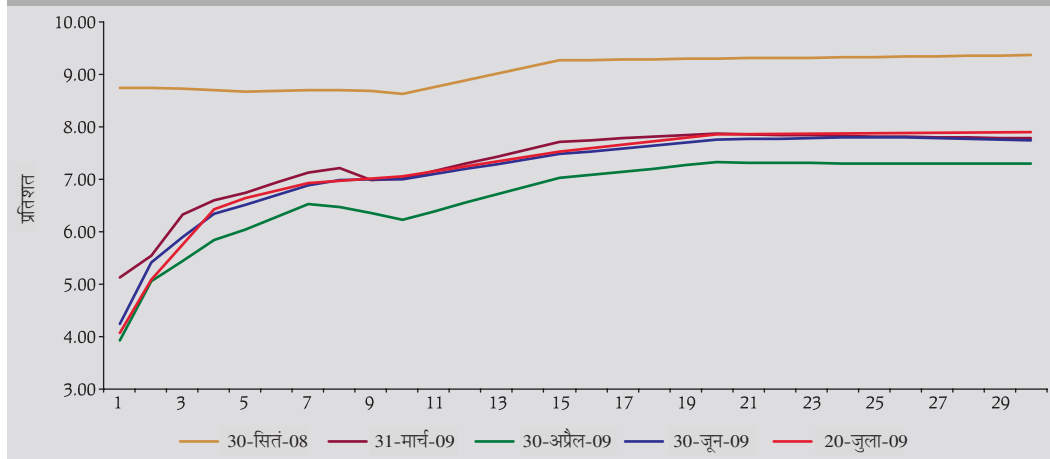
V.21 2009-10 की पहली तिमाही के दौरान द्वितीयक बाजार में सरकारी प्रतिभूतियों पर आय शुरू-शुरू में

सारणी 42 : केन्द्र और राज्य सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियों के निर्गम

	2007-08	2008-09	2008-09 (22 जुलाई तक)	2009-10 (22 जुलाई तक)
1	2	3	4	5
केन्द्र सरकार				
जुटाई गई राशि (करोड़ रुपए)	1,56,000	2,73,000	66,000	2,17,000 @
पुनर्निर्गम	34	52	12	39
नये निर्गम	1	4	1	4
बिड कवर अनुपात (दायरा)	1.6-4.8	1.7-4.5	1.6-3.5	1.5-3.6
भारित औसत परिपक्वता (वर्ष)	14.9	13.8	15.7	11.8
भारित औसत आय (प्रतिशत)	8.12	7.69	8.58	6.94
प्राथमिक व्यापारियों पर न्यागमन (करोड़ रुपए)	957	10,773	779	2,186
राज्य सरकार				
जुटाई गई राशि (करोड़ रुपए)	67,779	1,18,138	8,712	30,566
कट ऑफ आय (प्रतिशत)	7.84-8.90	5.80-9.90	8.39-9.81	7.04-7.97
भारित औसत आय (प्रतिशत)	8.25	7.87	8.87	7.64

@ : इसमें एमएसएस के अंतर्गत मुक्त किए गए 28,000 रुपए शामिल हैं।

चार्ट 25 : केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों का आय वक्र

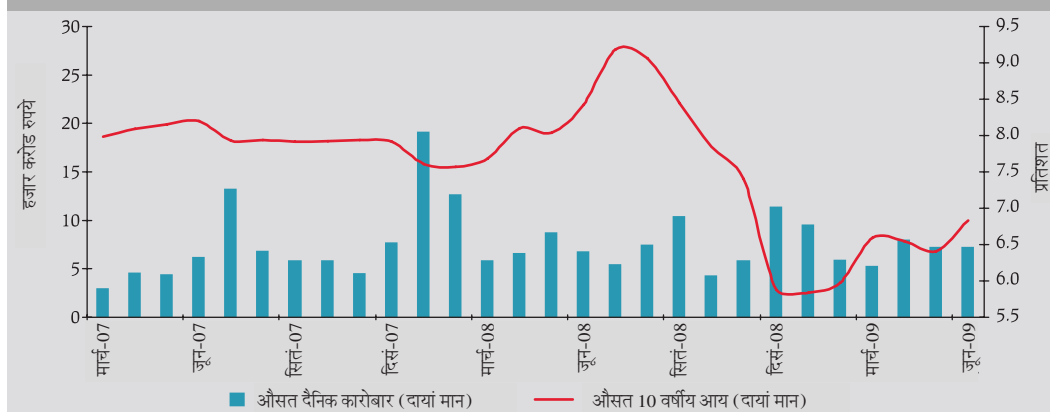


कम हुई, जो चलनिधि दशाओं में काफी अधिक नरमी, ब्याज दर में गिरावट, ओएमओ खरीद नीलामी और एलएएफ नीति ब्याज दरों में कटौती को दर्शाती है। 10 वर्षीय बांड आय मार्च और अप्रैल 2009 के अंत के बीच 7.01 प्रतिशत से घट कर 6.23 प्रतिशत हो गई। इसके पश्चात, बांड आय प्राथमिक नीलामियों के आकार में वृद्धि (12,000 करोड़ रुपए से 15,000 करोड़ रुपए तक) और इसके बाद सरकारी बाजार उधारों में प्रत्याशित वृद्धि की चिंताओं के कारण बढ़नी शुरू हो गई। 10

वर्षीय आय अल्पकालिक परिपक्वता की तुलना में मजबूत हुई जो ब्याज दरों में प्रत्याशित दबाव को दर्शाती है (चार्ट 25)। सरकारी प्रतिभूति बाजार के कारोबार में भी 2009-10 की पहली तिमाही में तेजी के चिह्न प्रकट हुए (चार्ट 26)।

V.22 आय वक्र सामान्यतया 10 वर्ष की अवधि में बलदार हो जाता है, जो अवधि के आस-पास ट्रेडिंग के संकेन्द्रण को दर्शाता है और 15 वर्षों से ऊपर कमोबेश

चार्ट 26 : सरकारी प्रतिभूतियों के बाजार का कारोबार



सपाट बना रहता है। आय सामान्यतया अप्रैल 2009 के अंत की तुलना में जून 2009 के अंत में अधिक थी। 2009-10 की पहली तिमाही के दौरान केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों के दैनिक कारोबार (ट्रेडिंग के दिनों की संख्या पर आधारित) का औसत 11,523 करोड़ रुपए था जो पूर्ववर्ती तिमाही की तुलना में 7 प्रतिशत अधिक था।

V.23 एएए दर वाले 5 वर्षीय कंपनी बांडों पर आय, जिसमें 2008-09 की दूसरी तिमाही के दौरान बढ़ने की प्रवृत्ति दिखी, 2008-09 की चौथी तिमाही के दौरान काफी अधिक कम हो गई और 2009-10 की पहली तिमाही में स्थिर रही (चार्ट 27)। कंपनी बांडों का जोखिम स्प्रेड गिरकर लीमन घटना के पूर्व तक पहुंच गया।

ऋण बाजार

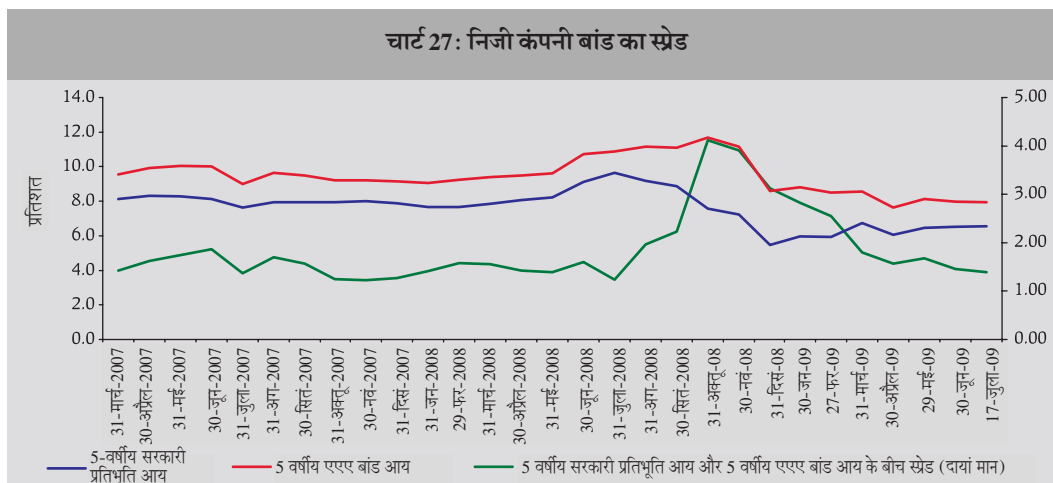
V.24 अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की ब्याज दरें अप्रैल-जुलाई 2009 के दौरान (20 जुलाई तक) और घट गईं। जमाओं पर ब्याज दरें सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और कुछ कम सीमा तक निजी क्षेत्र के बैंकों के परिपक्वता क्रम में घट गईं (सारणी 43)। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और निजी क्षेत्र के बैंकों की बैंचमार्क मूल उधार दरें

(बीपीएलआर) मार्च और जून 2000 के बीच 25 से 50 आधार अंक कम हुईं। ऋण बाजार दरों में कमी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के भारत औसत बीपीएलआर में गिरावट से स्पष्ट है जो 38 आधार अंक गिरकर मार्च 2009 के 12.48 प्रतिशत से जून 2009 में 12.10 प्रतिशत हो गई।

V.25 सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के लिए उप बीपीएलआर उधार का हिस्सा (निर्यात ऋण और लघु ऋण को छोड़कर) दिसंबर 2008 के 71.5 प्रतिशत से गिरकर मार्च 2009 में 66.7 प्रतिशत हो गया। अलग-अलग स्तर पर, ऋण के अंतर्गत अनुसूचित वाणिज्य बैंकों, निजी क्षेत्र के बैंकों और विदेशी बैंकों के उप बीपीएलआर उधार का बड़ा हिस्सा क्रमशः 3 वर्ष से ऊपर, 5 वर्ष और 3 वर्ष तक के ऋणों का था।

विदेशी मुद्रा बाजार

V.26 एफआइआइ अंतर्वाहों में काफी अधिक सुधार, एफडीआइ और एनआरआइ जमाओं के अंतर्गत जारी अंतर्वाह, 2008-09 की चौथी तिमाही में प्रत्याशित से अधिक बेहतर समष्टि आर्थिक निष्पादन और अंतरराष्ट्रीय



सारणी 43: जमा और उधार दरें

(प्रतिशत)

मद	मार्च 2007	मार्च 2008	मार्च 2009	मार्च 2009	मार्च 2009@
1	2	3	4	5	6
1) देशी जमा दर					
सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक					
1 वर्ष तक	2.75-8.75	2.75-8.50	2.75-8.25	1.00-7.00	1.00-7.00
> 1 वर्ष-3 वर्ष	7.25-9.50	8.25-9.25	8.00-9.25	6.50-8.00	6.50-8.00
> 3 वर्ष	7.50-9.50	8.00-9.00	7.50-9.00	7.00-8.50	6.75-8.50
निजी क्षेत्र के बैंक					
1 वर्ष तक	3.00-9.00	2.50-9.25	3.00-8.75	2.00-7.75	2.00-7.50
> 1 वर्ष-3 वर्ष	6.75-9.75	7.25-9.25	7.50-10.25	6.00-8.75	5.25-8.25
> 3 वर्ष	7.75-9.60	7.25-9.75	7.50-9.75	6.00-9.00	5.75-8.50
विदेशी बैंक					
1 वर्ष तक	3.00-9.50	2.25-9.25	2.50-8.50	1.80-8.00	1.25-8.00
> 1 वर्ष-3 वर्ष	3.50-9.50	3.50-9.75	2.50-9.50	2.25-8.50	2.25-8.50
> 3 वर्ष	4.05-9.50	3.60-9.50	2.50-10.00	2.25-9.50	2.25-9.50
2) बैंचमार्क मूल उधार दर					
सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक	12.25-12.75	12.25-13.50	11.50-14.00	11.00-13.50	11.00-13.50
निजी क्षेत्र के बैंक	12.00-16.50	13.00-16.50	12.75-16.75	12.50-16.75	12.50-16.75
विदेशी बैंक	10.00-15.50	10.00-15.50	10.00-17.00	10.50-16.00	10.50-16.00
3) वास्तविक उधार दर*					
सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक	4.00-17.00	4.00-17.75	3.50-18.00	-	-
निजी क्षेत्र के बैंक	3.15-25.50	4.00-24.00	4.75-26.00	-	-
विदेशी बैंक	5.00-26.50	5.00-28.00	5.00-25.50	-	-

@ : 20 जुलाई के अनुसार।

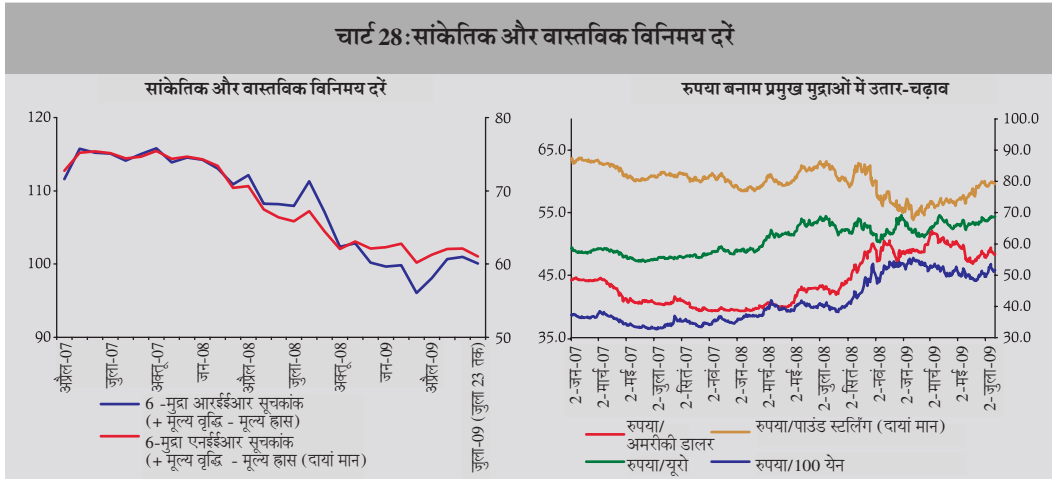
* : 2 लाख रुपए से अधिक के निर्यातेतर मांग और सावधि ऋण पर ब्याज दर, दोनों छोर की अंतिम पांच प्रतिशत की उधार दरों को छोड़कर।

- : उपलब्ध नहीं।

बाजार में कमजोर होते अमरीकी डालर की पृष्ठभूमि में 2009-10 की पहली तिमाही के दौरान अमरीकी डालर की तुलना में रुपए के मूल्य में वृद्धि हुई। इसके अलावा, आम चुनावों के नतीजों से, जिससे राजनैतिक स्थिरता की प्रत्याशाएं उत्पन्न हुई, बाजार भाव में तेजी आई और उसने रुपए को मजबूत करने में योगदान किया, विशेष रूप से मई 2009 की दूसरी तिमाही में। परिणाम के रूप में, 2009-10 के दौरान अबतक (21 जुलाई तक) रुपए के मूल्य में अमरीकी डालर की तुलना में 5.5 प्रतिशत और जापानी येन की तुलना में 1.1 प्रतिशत

की वृद्धि हुई। लेकिन, रुपए के मूल्य में पाउंड स्टर्लिंग की तुलना में 8.5 प्रतिशत और यूरो की तुलना में 1.5 प्रतिशत की गिरावट आई (चार्ट 28)।

V.27 मार्च और जून 2009 के बीच औसत 6 मुद्रा व्यापार आधारित आरईईआर (आधार : 1993-94 = 100) में 5.2 प्रतिशत की मूल्य वृद्धि हुई, मुख्य रूप से अमरीकी डालर की तुलना में रुपए के मूल्य में वृद्धि और भारत तथा इसके व्यापार सहभागियों के बीच मुद्रास्फीति अंतरों में वृद्धि के कारण (चार्ट 28)। व्यापक मापन के अनुसार, मार्च और मई 2009 के बीच औसत



36 मुद्रा व्यापार आधारित आरईईआर में 3.2 प्रतिशत की मूल्य वृद्धि हुई (सारणी 44)।

V.28 2009-10 के दौरान (27 जुलाई तक), वायदा प्रीमियम में सामान्यतया गिरावट की प्रवृत्ति दिखी, जो पूंजी प्रवाह के पुनर्गमन से प्रेरित बाजार में मौद्रिक दशाओं की नरमी को दर्शाती है। पूंजी अंतर्वाहों के कारण अमरीकी डालर की तुलना में रुपए की मूल्य में वृद्धि से इस अवधि के दौरान वायदा प्रीमियम में गिरावट आई। एक माह और छह माह के प्रीमियम के बीच अंतर भी घटा (चार्ट 29)। विदेशी मुद्रा बाजार के दैनिक औसत कारोबार में मई 2009 में सुधार के चिह्न दिखने शुरू हो गए। वणिक कारोबार की तुलना में अंतर-बैंक का अनुपात 1 वर्ष पहले के 2.6 से बढ़कर अप्रैल-जून 2009 के दौरान 3.1 प्रतिशत हो गया (चार्ट 30)।

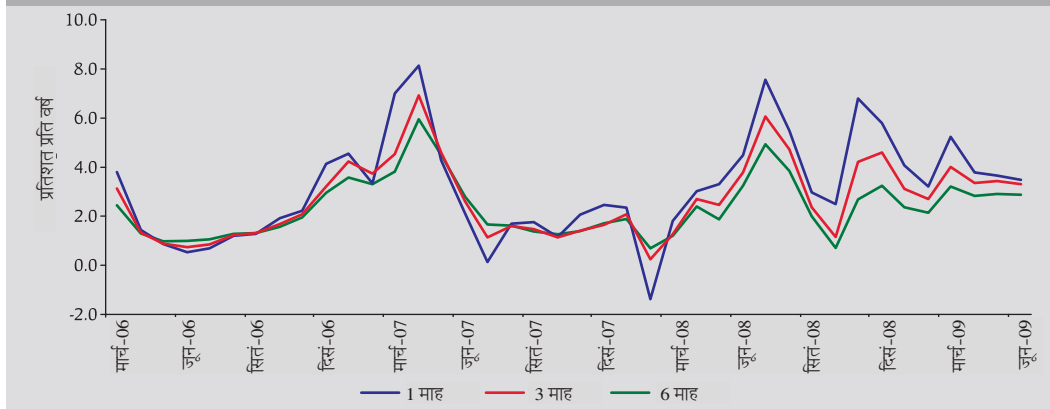
ईक्विटी बाजार

V.29 जबकि 2009-10 की पहली तिमाही में प्राथमिक बाजार कमजोर स्थिति में बने रहे क्योंकि घरेलू औद्योगिक गतिविधियां अभी भी धीमी दिख रही थी, द्वितीयक बाजार में विश्व अर्थव्यवस्था में

सारणी 44 : भारतीय रुपये की सांकेतिक और वास्तविक प्रभावी विनिमय दर (व्यापार - आधारित भारांक आधार: 1993-94 (अप्रैल-मार्च) = 100)

वर्ष / माह	6-मुद्रा भारांक		36-मुद्रा भारांक	
	एनईईआर	आरईईआर	एनईईआर	आरईईआर
1	2	3	4	5
2007-08	74.17	114.09	93.91	104.81
2008-09 (अ)	64.54	104.65	86.15	94.44
सितं. 2008	64.46	107.11	85.42	95.76
अक्तू. 2008	62.08	102.36	83.23	92.12
नवं. 2008	63.06	102.82	84.69	92.43
दिसं. 2008 (अ)	62.12	100.18	83.91	90.3
जन. 2009 (अ)	62.28	99.64	83.62	89.89
फर. 2009 (अ)	62.80	99.86	85.20	90.91
मार्च 2009 (अ)	60.18	96.04	82.12	88.38
अप्रैल 2009 (अ)	61.30	98.08	82.67	89.22
मई 2009 (अ)	62.07	100.65	83.53	91.17
जून 2009 (अ)	62.14	101.00	-	-
प्रतिशत परिवर्तन (वित्तीय वर्ष औसत)				
	2007-08	2008-09 (अ)	2008-09 (अप्रैल-जून)	2009-10 (अप्रैल-जून)
36-आरईईआर	6.4	-9.9	-4.3*	3.2*
36-एनईईआर	9.3	-8.3	-1.1*	1.7*
6-आरईईआर	8.1	-8.3	-2.4	5.2
6-एनईईआर	6.7	-13.0	-5.7	3.3
रुपए/अमरीकी डालर	12.5	-12.4	-6.9	6.4
एनईईआर : सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर। आरईईआर : वास्तविक प्रभावी विनिमय दर। अ : अनंतिम - : अनुपलब्ध * : मई तक टिप्पणी : सूचकांक में वृद्धि रुपए के मूल्य में बढ़ोतरी और इसके विपरीत स्थिति मूल्य में हास की सूचक है।				

चार्ट 29 : रुपए /अमरीकी डालर के वायदा प्रीमियम में उतार - चढ़ाव



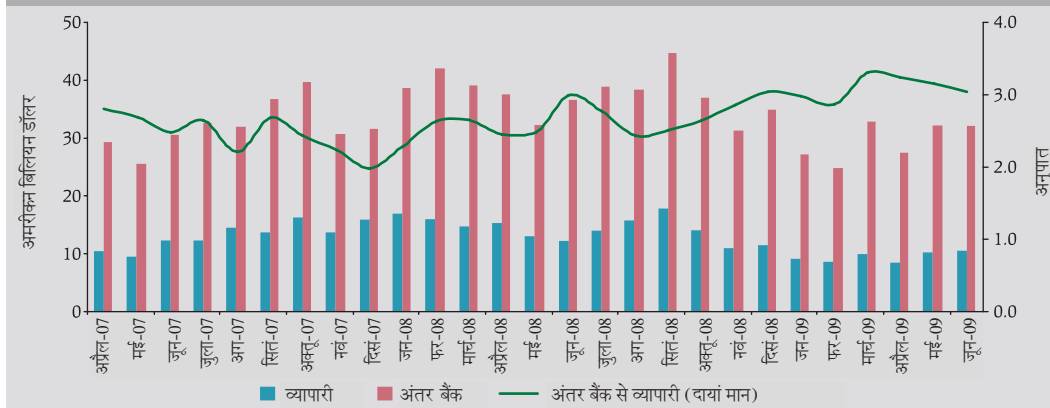
स्थायित्व और उभरने के शुरुआती लक्षणों, बेहतर घरेलू वृद्धि संभावनाओं, मानसून के लगभग सामान्य रहने की भविष्यवाणी और अधिक राजनैतिक स्थायित्व के कारण काफी अधिक लाभ दिखा। 2009-10 की पहली तिमाही के दौरान नगदी खंड में बीएसई और एनएसई के कारोबार में 2008-09 की चौथी तिमाही से काफी अधिक वृद्धि हुई। बीएसई का बाजार पूंजीकरण मार्च 2009 के अंत और जून 2009 के अंत के बीच 53.9 प्रतिशत बढ़ा। एनएसई के डेरिवेटिव खंड में कारोबार भी अप्रैल-जून 2009 के

दौरान बढ़ा। यद्यपि पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में अप्रैल-जून 2009 के दौरान शेयर बाजार में अस्थिरता अधिक रही, पिछली पूर्ववर्ती तिमाहियों में काफी अधिक कमी आई (सारणी 45)।

प्राथमिक बाजार

V.30 घरेलू पूंजी बाजार के प्राथमिक खंड में गतिविधियां 2009-10 की पहली तिमाही के दौरान कमजोर बनी रहीं। संचित रूप से, सार्वजनिक निर्गमों के माध्यम से जुटाए गए संसाधन अप्रैल-जून 2009 के

चार्ट 30: विदेशी मुद्रा बाजार में दैनिक औसत कारोबार



सारणी 45 : शेयर बाजार संकेतक

संकेतक	बीएसई				एनएसई			
	2007-08	2008-09	अप्रैल-जून		2007-08	2008-09	अप्रैल-जून	
			2008-09	2009-10			2008-09	2009-10
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1. बीएसई सेंसेक्स / एस एंड पी सीएन एक्स निफ्टी								
(i) अवधि के अंत में	15644	9709	13462	14494	4735	3021	4041	4291
(ii) औसत	16569	12366	16060	13078	4897	3731	4793	3964
2. घटबढ़ का सहगुणक	13.7	24.2	6.3	13.1	14.4	23.2	6.2	12.3
3. कीमत-अर्जन अनुपात (अवधि के अंत में)*	20.1	13.7	16.5	19.0	20.6	14.3	17.3	19.8
4. मूल्य-बहीमूल्य अनुपात (अवधि के अंत में)*	5.2	2.7	3.6	3.5	5.1	2.5	4.0	3.6
5. आय (प्रतिशत वार्षिक) (अवधि के अंत में)	1.1	1.8	1.3	1.3	1.1	1.9	1.4	1.2
6. सूचीबद्ध कंपनियां	4,867	4,929	4,909	4,934	1,381	1,432	1,407	1,426
7. नकदी खंड का कारोबार (करोड़ रु.)	14,67,865	11,00,074	3,50,729	3,76,679	35,51,038	27,52,023	8,13,578	11,31,671
8. डेरिवेटिव खण्ड का टर्नओवर (करोड़ रु.)	2,42,308	12,268	10,474	993	1,30,90,478	28,96,194	26,48,403	39,02,595
9. बाजार पूंजीकरण (करोड़ रुपए) (अवधि के अंत में)	51,38,015	30,86,076	43,75,022	47,49,935	48,58,122	1,10,10,482	41,03,651	44,32,596
10. जीडीपी की तुलना में बाजार पूंजीकरण अनुपात (प्रतिशत)	108.8	52.8	82.2	89.3	102.9	100.3	77.1	83.3

* : बीएसई सेंसेक्स में शामिल 30 स्क्रिप तथा एस एंड पी सीएनएक्स निफ्टी में शामिल 50 स्क्रिप पर आधारित ।

स्रोत : बोम्बे स्टॉक एक्सचेंज लि. (बीएसई) तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि. (एनएसई)।

दौरान कम बने रहे अर्थात् पांच निर्गम (सारणी 46)। अप्रैल-जून 2009 के दौरान भारतीय कंपनियों के द्वारा यूरो निर्गमों के माध्यम से जुटाए गए संसाधन बहुत कम बने रहे।

V.31 प्राइवेट प्लेसमेंट के माध्यम से जुटाए गए संसाधन 2007-08 के 45.8 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में 2008-09 के दौरान 5.3 प्रतिशत कम हुए। वित्तीय मध्यस्थों (सार्वजनिक और निजी क्षेत्र दोनों से) के द्वारा जुटाए गए संसाधनों में 13.3 प्रतिशत की गिरावट आई जबकि इसी अवधि के दौरान गैर वित्तीय मध्यस्थों में 11.6 प्रतिशत की वृद्धि दिखी।

V.32 अप्रैल-जून 2009 के दौरान, म्युच्युअल फंडों द्वारा निवल संसाधन संग्रहण काफी अधिक अर्थात् 161 प्रतिशत बढ़ा, साथही चलनिधि दशाएं आसान बनी रहीं और शेयर बाजार में काफी अधिक लाभ दिखे (सारणी 47)। योजना वार, अप्रैल-जून 2009 के दौरान, आय / ऋण प्रधान योजनाओं में 97,267 करोड़ रुपए का निवल अंतर्वाह दिखा जबकि वृद्धि / ईक्विटी प्रधान योजनाओं में 3,305 करोड़ रुपए का निवल अंतर्वाह दर्ज हुआ।

द्वितीयक बाजार

V.33 2009-10 की पहली तिमाही के दौरान बाजार भाव मुख्य रूप से प्रमुख अंतरराष्ट्रीय ईक्विटी बाजारों

सारणी 46 : प्राथमिक बाजार से संसाधनों का संग्रहण

(राशि करोड़ रुपए)

मदें	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि
	2008-09 (अप्रैल-जून)		2009-10 (अप्रैल - जून) अ	
1	2	3	4	5
क. विवरणिका और अधिकार पत्र निर्गम*				
1. निजी क्षेत्र (क + ख)	15	2,031	5	236
क) वित्तीय	-	-	-	-
ख) गैर वित्तीय	15	2,031	5	236
2. सार्वजनिक क्षेत्र (क+ख+ग)	-	-	-	-
क) सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम	-	-	-	-
ख) सरकारी कंपनियां	-	-	-	-
ग) बैंक / वित्तीय संस्थाएं	-	-	-	-
3. कुल (1+2)	15	2,031	5	236
जिनमें से :				
(i) ईक्विटी	15	2,031	5	236
(ii) ऋण	-	-	-	-
<i>जापन :</i>				
ख. यूरो निर्गम	8	4,056	2	215
अ : अनंतिम * : बिक्री प्रस्ताव छोड़कर - : शून्य / नगण्य				

में पुनः उछाल के कारण धनात्मक बने रहे, ऐसा आर्थिक गतिविधि और सरकारी नीति कारवाई में प्रत्याशा के विपरीत कमी, रिजर्व बैंक द्वारा नीति दरों में कटौती, 2008-09 की चौथी तिमाही में भारत के जीडीपी में

आशा से अधिक वृद्धि, भारतीय बैंकों और कंपनियों के लिए धनात्मक परिणाम, आइएमडी द्वारा मानसून के लगभग सामान्य रहने की भविष्यवाणी, संसदीय चुनावों के पश्चात और अधिक राजनैतिक स्थिरता तथा शेयर

सारणी 47: म्युच्युअल फंडों द्वारा संसाधन जुटाव

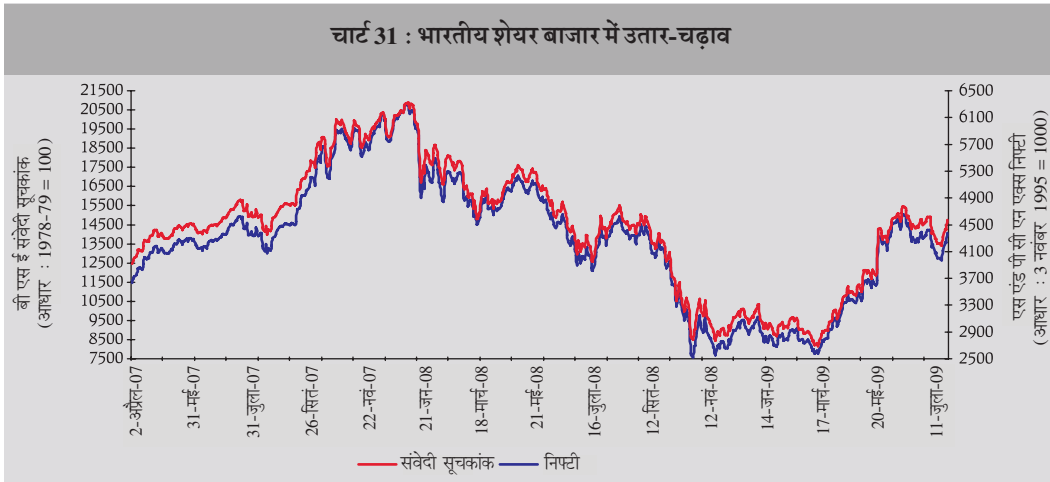
(करोड़ रुपए)

संवर्ग	अप्रैल-मार्च		अप्रैल-जून			
	2008-09		2008-09		2009-10	
	निवल जुटाव	निवल आस्तियां	निवल जुटाव	निवल आस्तियां	निवल जुटाव	निवल आस्तियां
1	2	3	4	5	6	7
निजी क्षेत्र	-34,017	3,35,527	14,173	4,24,821	81,456	4,67,944
सार्वजनिक क्षेत्र *	5,721	81,772	24,264	97,078	18,947	1,14,735
कुल	-28,296	4,17,300	38,437	5,21,899	1,00,403	5,82,679

* : यूटीआइ म्युच्युअल फंड सहित।

टिप्पणी : 1. आंकड़े फंड ऑफ फंड स्कीम के अन्तर्गत जुटाई गई निधियों को छोड़कर हैं।
2. निवल जुटाव चुकौती का निवल है।
3. को समाप्त अवधि के लिए निवल आस्तियां।

स्रोत : भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड।

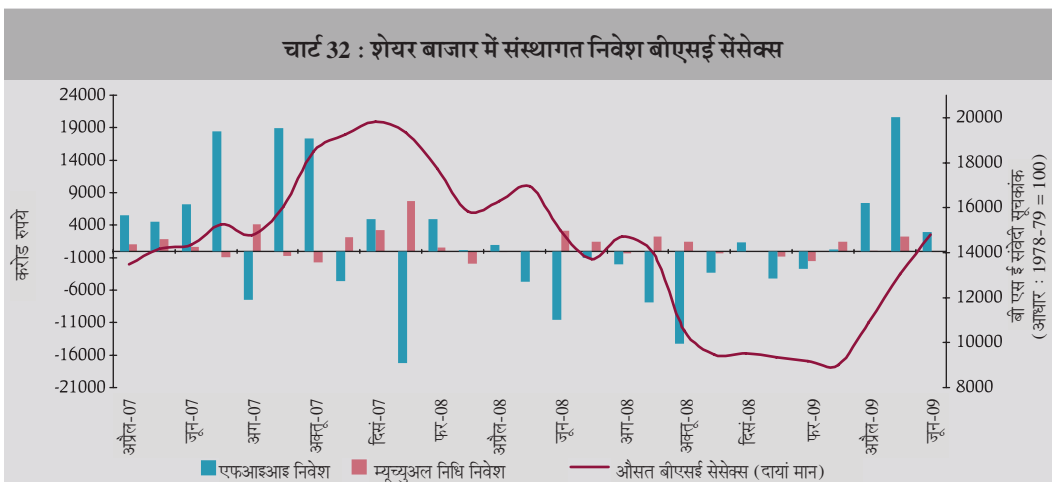


- विशिष्ट समाचारों की पृष्ठभूमि में हुआ। घरेलू शेयर बाजार ने सर्किट सीमा से 20 प्रतिशत ऊपर रहते हुए 18 मई 2009 को लोकसभा चुनावों के परिणामों से आई स्थिरता के प्रति रिसपांड किया। जून 2009 के अंत में बीएसई संवेदी सूचकांकों और एसएण्डपी सीएनएक्स निफ्टी दोनों में मार्च 2009 के अंत में क्रमशः 49.3 प्रतिशत और 42.0 प्रतिशत की वृद्धि हुई (चार्ट 31)।

V.34 एफआइआइ और म्युच्युअल फंड दोनों ने 2009-10 की पहली तिमाही में शेयर बाजार में अपनी रुचि दिखाई। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड

(सेबी) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, एफआइआइ ने एक वर्ष पहले की 3.5 बिलियन अमरीकी डालर की निवल बिक्री की तुलना में 2009-10 की पहली तिमाही के दौरान भारतीय ईक्विटी बाजार में 6.4 बिलियन अमरीकी डालर की निवल खरीद की (चार्ट 32)। 2009-10 के दौरान शेयर बाजार में म्युच्युअल फंडों की बिक्री भी बढ़ी।

V.35 2009-10 की पहली तिमाही के दौरान निवेशकों की रुचि बढ़ने से सेक्टरल सूचकांक में बिक्री दबाव दिखा। इससे अचल संपत्ति, पूंजीगत माल, धातु, बैंकिंग, टिकाऊ वस्तुओं, सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम, आटो, आइटी,



तेल और गैस, हेल्थ केयर और शीघ्र खपत वाली वस्तुओं जैसे क्षेत्रों में मूल्यों में काफी अधिक वृद्धि हुई (सारणी 48)।

V.36 2009-10 के केंद्रीय बजट के आने के बाद शेयर बाजार में मंदी आ गई और इसमें बजट की निराशाओं अर्थात् बढ़े हुए सकल राजकोषीय घाटे, पीएसयू के विनिवेश में स्पष्टता की कमी, न्यूनतम एकांतर कर (एमएटी) को बढ़ाने और मानसून के असंतोषजनक आगमन के कारण भी गिरावट आ गई। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय ईक्विटी बाजार ढह गए क्योंकि 2009 की दूसरी तिमाही में कंपनी लाभों के बारे में अनिश्चितता बरकरार थी और शेष वर्ष के लिए संभावित अनुमान लगाए गए थे। बीएसई संवेदी सूचकांक, जिसमें 9 मार्च 2009 की तुलना में 3 जुलाई 2009 को 82.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई थी, में 13 जुलाई 2009 को 10.1 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके बाद हानियों में सुधार हुआ क्योंकि 2009-10

की दूसरी तिमाही में बेहतर कंपनी परिणामों के कारण बाजार में बढ़त आई।

V.37 2009-10 की पहली तिमाही के दौरान, भारतीय वित्तीय बाजार में काफी अधिक विश्वास, निवेशकों की जोखिम लेने के इच्छा, स्प्रेड में कमी और कम अस्थिरता दिखी। निरंतर चलनिधि सुगमता रुझानों के प्रतिउत्तर में, एक दिवसीय दरें काफी अधिक कम हुईं और एलएएफ रिवर्स रिपो दर के आसपास बनी रहीं तथा वाणिज्यिक पत्रों पर स्प्रेड कम हुआ। तथापि, आय वक्र बढ़े-बड़े सरकारी उधार कार्यक्रमों के कारण ऊपर की ओर गया। विश्व अर्थव्यवस्था में स्थायित्व आने की प्रत्याशाओं और बेहतर घरेलू आधारभूत तत्वों तथा राजनैतिक स्थिरता के कारण, शेयर बाजार में काफी अधिक लाभ हुए, लेकिन इसमें उच्च राजकोषीय घाटे, निवेशक प्रत्याशाओं से कम बजट उद्घोषणाओं तथा मानसून के असंतोषजनक आगमन जैसे कारकों के कारण बजट के बाद की अवधि में अस्थिरता दिखी।

सारणी 48 : बीएसई क्षेत्रीय स्टॉक सूचकांक

(आधार : 1978-79=100)

क्षेत्र	घटबढ़ (प्रतिशत)		
	मार्च 2008 के अंत में @	मार्च 2009 के अंत में @	जून 2009 के अंत में #
1	2	3	4
शीघ्र खपतवाली उपभोक्ता वस्तुएं	31.7	-11.1	11.1
सरकारी क्षेत्र के उपक्रम	25.4	-29.6	51.5
सूचना प्रौद्योगिकी	-27.6	-35.6	43.8
ऑटो	-7.1	-33.0	49.0
तेल और गैस	56.0	-29.6	33.1
धातु	65.2	-58.7	86.9
हेल्थकेयर	5.4	-26.5	25.5
बैंकेक्स	18.0	-41.8	82.8
पूंजीगत माल	54.4	-53.8	97.9
उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं	8.8	-58.1	82.0
बीएसई 500	24.3	-42.8	55.9
बीएसई सेंसेक्स	19.7	-37.9	49.3

@ : वर्ष-दर-वर्ष घटबढ़ । # : मार्च 2009 के अंत की तुलना में घटबढ़।

स्रोत : बोम्बे स्टॉक एक्सचेंज लि.।